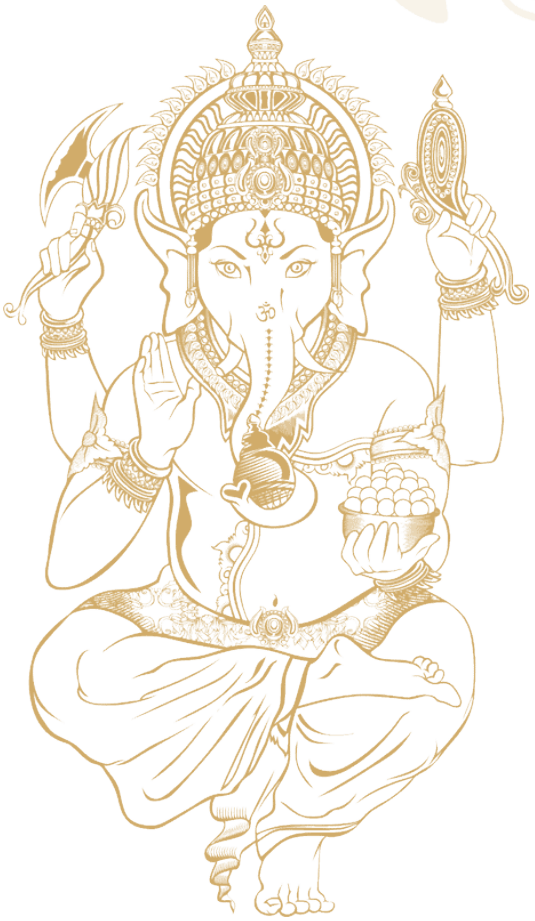

Mr.

08 Mar 2026

06:48 PM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121497404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**08/03/2026**
दिन	रविवार
जन्म समय	**18:48:00 घंटे**
इष्ट	30:21:58 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	18:26:52 घंटे
वेलान्तर	-00:10:48 घंटे
साम्पातिक काल	05:31:54 घंटे
सूर्योदय	06:39:12 घंटे
सूर्यास्त	18:25:07 घंटे
दिनमान	11:45:55 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	23:44:57 कुम्भ
लग्न के अंश	29:35:23 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**तुला - शुक्र**
नक्षत्र-चरण	**विशाखा - 1**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	व्याघात
करण	तैतिल
गण	राक्षस
योनि	व्याघ्र
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	ती-तीरथ
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	29:35:23	317:48:59	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	---
सूर्य			कुंभ	23:44:57	01:00:00	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			तुला	22:39:04	12:02:44	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	10:28:16	00:47:16	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध	व	अ	कुंभ	21:32:42	01:00:48	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	सम राशि
गुरु	व		मिथु	20:52:25	00:00:31	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	08:23:41	01:14:36	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	उच्च राशि
शनि			मीन	08:24:41	00:07:20	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:41:49	00:01:11	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:41:49	00:01:11	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	03:41:37	00:01:39	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:05:43	00:02:14	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	10:30:17	00:01:30	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			वृष	29:19:40	--	मृगशिरा	--	5	शुक्र	मंगल	शनि	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:29

लग्न-चलित

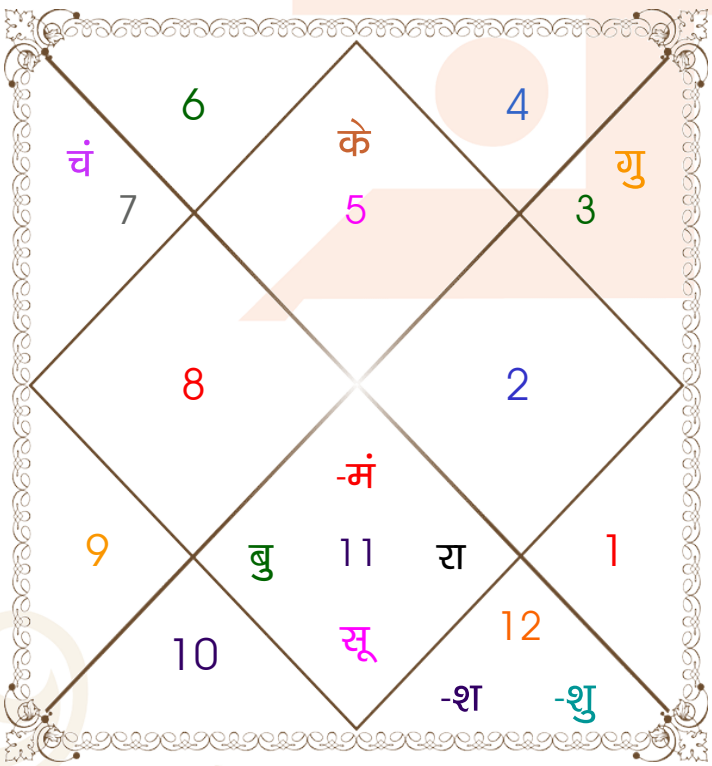

चन्द्र कुंडली

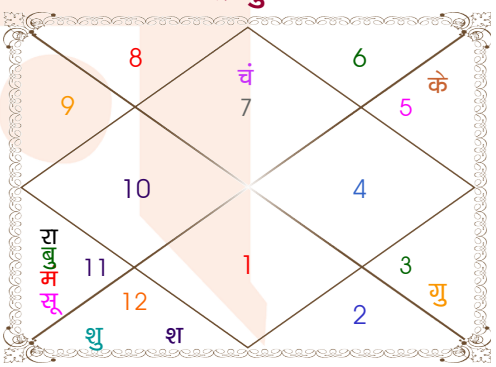

नवमांश कुंडली

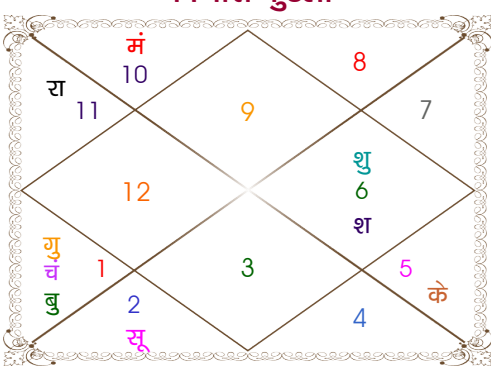

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 12 वर्ष 9 मास 25 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
08/03/2026		01/01/2039		01/01/2058		01/01/2075		01/01/2082	
01/01/2039		01/01/2058		01/01/2075		01/01/2082		02/01/2102	
	08/03/2026	शनि	04/01/2042	बुध	30/05/2060	केतु	30/05/2075	शुक्र	03/05/2085
शनि	02/09/2027	बुध	13/09/2044	केतु	27/05/2061	शुक्र	30/07/2076	सूर्य	03/05/2086
बुध	08/12/2029	केतु	23/10/2045	शुक्र	27/03/2064	सूर्य	04/12/2076	चंद्र	02/01/2088
केतु	14/11/2030	शुक्र	23/12/2048	सूर्य	31/01/2065	चंद्र	06/07/2077	मंगल	03/03/2089
शुक्र	15/07/2033	सूर्य	05/12/2049	चंद्र	03/07/2066	मंगल	02/12/2077	राहु	02/03/2092
सूर्य	03/05/2034	चंद्र	06/07/2051	मंगल	30/06/2067	राहु	20/12/2078	गुरु	01/11/2094
चंद्र	02/09/2035	मंगल	14/08/2052	राहु	16/01/2070	गुरु	26/11/2079	शनि	01/01/2098
मंगल	08/08/2036	राहु	21/06/2055	गुरु	23/04/2072	शनि	04/01/2081	बुध	02/11/2100
राहु	01/01/2039	गुरु	01/01/2058	शनि	01/01/2075	बुध	01/01/2082	केतु	02/01/2102

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
02/01/2102		03/01/2108		02/01/2118		02/01/2125		02/01/2143	
03/01/2108		02/01/2118		02/01/2125		02/01/2143		00/00/0000	
सूर्य	22/04/2102	चंद्र	02/11/2108	मंगल	31/05/2118	राहु	15/09/2127	गुरु	20/02/2145
चंद्र	21/10/2102	मंगल	03/06/2109	राहु	19/06/2119	गुरु	08/02/2130	शनि	09/03/2146
मंगल	26/02/2103	राहु	03/12/2110	गुरु	25/05/2120	शनि	15/12/2132		00/00/0000
राहु	21/01/2104	गुरु	03/04/2112	शनि	03/07/2121	बुध	04/07/2135		00/00/0000
गुरु	08/11/2104	शनि	02/11/2113	बुध	01/07/2122	केतु	21/07/2136		00/00/0000
शनि	21/10/2105	बुध	04/04/2115	केतु	27/11/2122	शुक्र	22/07/2139		00/00/0000
बुध	28/08/2106	केतु	03/11/2115	शुक्र	27/01/2124	सूर्य	15/06/2140		00/00/0000
केतु	02/01/2107	शुक्र	03/07/2117	सूर्य	03/06/2124	चंद्र	15/12/2141		00/00/0000
शुक्र	03/01/2108	सूर्य	02/01/2118	चंद्र	02/01/2125	मंगल	02/01/2143		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 12 वर्ष 10 मा 1 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा फाल्गुनी नक्षत्र के प्रथम चरण में सिंह लग्न में हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर धनु राशि का नवमांश एवं मेष राशीय द्रेष्काण का भी उदय काल था। सिंह राशीय लग्नाकृति स्वरूप से यह स्पष्ट दृश्य हो रहा है कि आपको स्वच्छंदता पूर्वक आनंदप्रद प्रसन्नचित उत्तम जीवन व्यतीत करने का सुअवसर प्राप्त होगा।

आप शारीरिक रूप से हृष्ट, पुष्ट, मजबूत, मधुर भाषी होंगे। जिसके प्रभाव से सभी लोग आपको बहुत पसन्द करेंगे तथा आपसे संबंधित रहेंगे। आप अपने से संबंधित व्यक्तियों से लाभांवित रहेंगे। आपकी आखें विपरीत योनि के व्यक्तियों के दर्शन हेतु ललायित रहेगी। नारी सौन्दर्य आपको रूचिकर लगेगी। आप अपनी पत्नी को प्यार नहीं करेंगे। परन्तु अनुकूल अवसर प्राप्त कर इसे अच्छा मौका समझ कर अन्य को अपने विचारों में ग्रहण कर लेंगे।

आपका पारिवारिक जीवन निश्चित रूप से उत्तम रहेगा। आपके निकटतम सम्पर्क एवं प्रिय जन अर्थात् सगे संबंधी लोग न केवल आपके प्रति श्रद्धावान रहेंगे बल्कि आपकी प्रसन्नता एवं सन्तुष्टि हेतु पूर्ण समर्पित रहेंगे। फलस्वरूप आप अतिरिक्त समय निकालकर निश्चित रूपेण इन लोगों से मिलने का प्रयास करेंगे।

आप अपने ढंग से अपना जीवन निर्वाह करेंगे। आप अपने अभ्युदय एवं उत्तम लाभ हेतु अपने ज्ञान का विकास कर सकते है। आपके लिए उपयुक्त कार्य व्यवसाय हेतु प्रशासनिक सेवा सम्पादन कारिता, संचार माध्यम एवं शैक्षणिक कार्य व्यवसाय उत्तम प्रतीत होता है। लेकिन आपके लिए सर्वथा चमत्कारिक व्यवसाय वाणिज्य कार्य, लेखाकार्य अथवा अभियांत्रिकी कार्य उत्तम रहेगा।

आप जन्म प्रभाव से ही आदेश का सम्मान करेंगे। आपके अधीनस्थ सहायक आपके प्रति श्रद्धावान रह कर आपकी प्रशंसा करेंगे तथा आपके निर्देशन के अनुसार वे आपको देखेंगे।

कठिन श्रमयुक्त आपकी महत्वकांक्षा यदा-कदा कृतघ्नता युक्त हो जाती है तो आप अपने उद्देश्य की प्राप्ति हेतु अपनी गति में तीव्रता लाते हैं। आप सदैव अपने कार्य की पूर्णाहुति हेतु तत्पर रहते हैं तथा सम्पादित कार्य को पूर्ति लेने के साथ-साथ अन्य कार्य के प्रारम्भ करने की प्रक्रिया पूरी कर लेंगे। आपमें आश्चर्यजनक पर्यवेक्षण की प्रतिच्छाया विद्यमान रहती है। परिणामस्वरूप आप अपने प्रशासनिक सीढ़ी के सहारे अपने कार्यस्थल पर सफलता की ओर अग्रसर हो सकते है।

आप स्वाभाविक रूप से धनोपार्जन करेंगे परन्तु इस धन की सुरक्षा किस प्रकार की जाय तथा किस प्रकार सुरक्षित रखा जाय, यह बिंदु विचारणीय है। क्योंकि आप मात्र उदार हृदय के ही नहीं है बल्कि आप आनन्द पूर्ण सुअवसर पर सम्पूर्ण खर्च का भार अपने ऊपर ले लेते हो तथा सदैव अपने लिए तथा अपने परिवार के लिए व्यय करेंगे। आप सदैव ही जनसाधारण के मध्य अपनी छवि को प्रदर्शित करने के लिए सजग रहेंगे। आप अपने आवासीय रख-रखाव एवं

आधुनिक साज शय्या को अपने यहां आगंतुकों की दृष्टि में प्रभावशाली प्रस्तुती हेतु सजग रहेंगे। ताकि आपका प्रभाव उत्तम दृश्य हो।

आपका स्वास्थ्य आवश्यकता के अनुरूप जैसा चाहिए वैसा नहीं रहेगा। लेकिन आपकी बहुमुखी कार्यकलाप के कारण संभव है कि आपका शरीरिक ह्रास हो जाय तथा आप पीठ के रोग, पाचन क्रिया की गड़बड़ी, एवं रक्तचाप संबंधी रोग से आक्रांत हो जाएं। अतः आप सीमा के अन्तर्गत ही सभी कार्य सम्पादन करें तथा सन्तोषजनक विश्राम ग्रहण करें। आप स्वयं चटपटी और मसालेदार भोजन एवं मध्यपान का परित्याग कर दें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, एवं गुरुवार का दिन है। परन्तु आपको शुक्रवार एवं शनिवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये दोनों दिन आपके लिए प्रतिकूल है।

आपके लिए अंक 1, 4, 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल एवं प्रभावशाली है। परन्तु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके हित अनुपयुक्त है।

आपके लिए भाग्यवर्द्धक रंग नारंगी, लाल एवं हरा रंग है। परन्तु रंग नीला, काला एवं सफेद रंग आपके लिए त्याज्य है।